

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 31] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 1, 1981 (श्रावण 10, 1903)  
No. 31] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 1, 1981 (SRAVANA 10, 1903)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### विषय-सूची

पृष्ठ	पृष्ठ
भाग I—खंड 1—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए संकल्पों और प्रसाधिक आदेशों के संबंध में अधिसूचनाएं . . . . .	भाग II—खंड 3-(iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी में प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खंड 3 या खंड 4 में प्रकाशित होते हैं) . . . . .
507	303
भाग I—खंड 2—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालयों को छोड़कर) द्वारा जारी की गयी सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं . . . . .	भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक विषय और आदेश . . . . .
965	247
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और प्रसाधिक आदेशों के संबंध में अधिसूचनाएं . . . . .	भाग III—खंड 1—उच्चतम न्यायालय, महाभेक्षा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेलवे प्रशासनों, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं . . . . .
—	9245
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गयी सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं . . . . .	भाग III—खंड 2—वैदिक कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं और नोटिस . . . . .
981	421
भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम . . . . .	भाग III—खंड 3—मुख्य प्रायुक्तों के प्राधिकार के अधीन प्रयत्न द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं . . . . .
*	—
भाग II—खंड 1—क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ . . . . .	भाग III—खंड 4—विषय अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं . . . . .
*	2168
भाग II—खंड 2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट . . . . .	भाग IV—नैर-सरकारी व्यक्तियों और नैर-सरकारी निकायों द्वारा विज्ञापन और नोटिस . . . . .
*	145
भाग II—खंड 3—उप-खंड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालयों को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं) . . . . .	भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु आदि के प्रांकों को बिचाने वाला अनुपूरक . . . . .
1345	*
भाग II—खंड 3—उप-खंड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं . . . . .	
1851	

\*पृष्ठ संख्या प्राप्त नहीं हुई

## CONTENTS

	PAGE		PAGE
PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) ..	507	PART II—SECTION 3(iii).—Authoritative texts in Hindi (other than such texts published in section 3 or section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules and Statutory Orders (including bye-laws or a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administrations of Union Territories) ..	303
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence) ..	965	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence ..	247
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Resolutions and non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence ..	—	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Supreme Court, Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administrations, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India ..	9245
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence ..	981	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..	421
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations ..	*	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners ..	—
PART II—SECTION I-A.—Authoritative text in the Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations ..	*	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies ..	2165
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of the Select Committees on Bills ..	*	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies ..	145
PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (i).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws, etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	1345	PART V—Supplement showing statistics of Birth and Deaths etc. both in English and Hindi ..	*
PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	1851		

भाग I—खण्ड 1  
PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई 1981

सं० 40-प्रज/81—राष्ट्रपति असम पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिये पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री सदानन्द पाठक,  
पुलिस उप निरीक्षक,  
बेहाली थाना,  
जिला बरगंज, असम।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया :

बेहाली थाने के प्रभारी अधिकारी श्री रतन कास्त डेका को 18 अगस्त, 1980 की रात के लगभग 8.45 बजे सूचना मिली कि धातक हथियारों से लैस कुछ अज्ञात व्यक्ति डकैती डालने के इरादे से रतनाली समारीगांव के प्रामित बनिया नामक एक व्यक्ति के मकान में रह रहे हैं। श्री डेका, श्री सदानन्द पाठक और अन्य व्यक्तियों को साथ लेकर प्रामित बनिया के मकान की ओर रवाना हुए। वहाँ पहुँच कर उन्होंने महसूस किया कि मकान के अन्दर छः से सात व्यक्ति थे और उनकी बातों से उन्होंने समझा कि वे उसी रात डकैती डालने की योजना बना रहे थे। श्री डेका ने अपना परिचय दिया और मकान के अन्दर ठहरे व्यक्तियों को बाहर आने के लिये कहा। यह सुनते ही मकान के अन्दर की रोशनी बुझ गई और मकान के अन्दर सभी गतिविधियाँ बन्द हो गईं। कोई और विकल्प न होने पर श्री डेका ने कमरे में बलपूर्वक प्रवेश किया। तत्काल उन पर हाथ से बने देशी बम्ब फेंके गए जिससे उनके शरीर पर गम्भीर चोटें आईं। इस हंगामे में कुछ डाकू भाग निकले। पुलिस दल के साथ आए स्वयं सेवक भी भाग गए। फिर भी श्री सदानन्द पाठक ने अपना साहस नहीं खोया। उन्होंने एक कांस्टेबल को डाकुओं को डराने के लिये हवा में एक गोली चलाने का आदेश दिया। वे स्वयं अपने जीवन के खतरे की परवाह न करते हुए घड़े कमरे में घुस गए। उनके प्रवेश करने पर डाकुओं ने उन पर आक्रमण किया और बाद में उनके साथ हाथापाई हुई। श्री पाठक घबिचलित रहे और चार डाकुओं को पकड़ लिया। उन्होंने एक देशी पिस्तौल भी कब्जे में लिया।

इस मुठभेड़ में श्री सदानन्द पाठक ने उत्कृष्ट साहस तथा उत्कृष्ट कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 18 अगस्त 1980 से दिया जाएगा।

सं० 41-प्रज/81—राष्ट्रपति पश्चिम बंगाल पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिये पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री मसरफ हुसैन चौधरी,  
यातायात पुलिस कांस्टेबल सं० 1380,  
बदवान पश्चिमी बंगाल।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया :

21 मार्च, 1979 को लगभग 09.30 बजे अन्तर्राष्ट्रीय डाकुओं का एक गिरोह आमतसोल में कहीं डकैती डालने के व्यय से बेगनिया मोड़ पर एक प्राइवेट कार में सवार हुआ। जब श्री मसरफ हुसैन चौधरी बेगुनिया मोड़ पर जी० टी० रोड़ और बाराकर स्टेशन रोड़ के चौराहे पर यातायात ब्यूटी पर थे तो प्राइवेट कार का ब्राइवर उनके पास आया और उन्हें डाकुओं के बारे में सूचित किया। यद्यपि श्री चौधरी निःशस्त्र थे तथापि वे कार के पास गये और उसमें सदेहास्पद सामग्रियों के दो थैलों सहित बैठे हुए व्यक्तियों को देखा। श्री चौधरी कार में बैठ गये और ब्राइवर को कार बाराकर पुलिस गश्त चौकी से जाने का निवेश दिया। परन्तु तीन बदमाशों ने रियावर दिखाकर कांस्टेबल को कार में उतरने के लिये बाध्य किया। इसी दौरान वहाँ कुछ स्थानीय लोग एकत्र हो गये। उनको देखकर बदमाश कार से उतर गये और भागने लगे। किन्तु श्री चौधरी और स्थानीय लोग उनके पीछे भागे और दो बदमाशों को पकड़ लिया।

इस प्रकार श्री मसरफ हुसैन चौधरी ने वीरता और अनकरणीय साहस का परिचय दिया।

2 यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 21 मार्च 1979 से दिया जाएगा।

सं० 42-प्रज/81—राष्ट्रपति हरियाणा पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिये राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्रीमती दीपा मेहता  
पुलिस सहायक अधीक्षक  
गङ्गाधर, हरियाणा।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया

5 मई, 1980 को इण्डियन ड्रग एण्ड फार्मेस्यूटिकल्स लिमिटेड के ग्रहाते में अमिक वेमस्या के फलस्वरूप पुलिस तथा इंडियन ड्रग एण्ड फार्मेस्यूटिकल्स लिमिटेड के अधिकारियों के बीच मुठभेड़ हो गई। अमिक फैक्टरी के सुरक्षा स्टाफ के स्थान पर गैर सरकारी संस्था द्वारा उपलब्ध कराये गये सुरक्षा कर्मचारियों के कारण उत्तेजित थे और उनके कुछ साथी अधिकारियों को सेवा से हटाये जाने पर विरोध प्रकट कर रहे थे। अधिकारियों तथा प्रबन्धकों के बीच दिन भर के विचारविमर्श के बाद कोई परिणाम न निकलता देख कर अमिक इण्डियन ड्रग एण्ड फार्मेस्यूटिकल्स लिमिटेड के प्रबंधक द्वार पर एकत्र हो गये और उत्तेजनारमक नारे लगाने लगे।

भीड़ हिंसा पर उत्तर आई और पथराव करने लगी। अनेक पुलिस कर्मचारी घायल हो गये। पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा जिसके परिणामस्वरूप भीड़ थोड़ी देर के लिये तितर-बितर हो गई। परन्तु श्रमिक फिर से एकत्र हो गये और इंडियन इंग एण्ड फार्मेस्यूटिकल्स लिमिटेड कम्प्लेक्स के दरवाजे की ओर तेजी से बढ़े। उसी क्षण पुलिस सहायक अधीक्षक श्रीमती दीपा मेहता वहाँ पहुँची। श्रमिक पुलिस बल पर पथराव करते हुए प्रवेश द्वार से इंडियन इंग एण्ड फार्मेस्यूटिकल्स लिमिटेड के कम्प्लेक्स की ओर तेजी से बढ़ रहे थे। भारी पथराव की परवाह न करते हुए और अपने जीवन के लिये अवश्यम्भावी खतरे से विचलित हुए बिना श्रीमती मेहता पुलिस बल के साथ भीड़ में चली गईं। उन पर एक पथराव फैला गया जो उनके वाहने बाजू पर लगा। नारे लगाती हुई भीड़ उनकी जीप की तरफ बढ़ी। किन्तु श्रीमती मेहता ने अपना मानसिक संतुलन कायम रखा और एक कारगर लाठीचार्ज करने का आदेश दिया। इस पर भीड़ तितर-बितर हो गई और प्रवेश द्वार की तरफ वौड़ी और फिर से पथराव करने लगी। ऐसा प्रतीत होता था कि भीड़ पुलिस बस को जलाने पर वदमंस्कृत थी। श्रीमती दीपा मेहता ने पुलिस बल में सबसे आगे मोर्चा संभाला और पुनः लाठीचार्ज करने का आदेश दिया। अब भीड़ तितर-बितर हो गई और स्थिति पर काबू कर लिया गया।

इस प्रकार श्रीमती दीपा मेहता ने उत्कृष्ट वीरता, सूझ-बूझ, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2 यह पदक राष्ट्रपति का पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 5 मई, 1980 से दिया जाएगा।

दिनांक 18 जुलाई 1981

सं० 43-प्रेज/81—राष्ट्रपति मिजोरम पुलिस तथा केन्द्रीय रिजर्व पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री सावमसुभाला,  
कांस्टेबल सं० 124,  
थाना हुनाहथियाल,  
मिजोरम।

श्री बनहनुभाई बांगा,  
कांस्टेबल सं० 75,  
थाना हुनाहथियाल,  
मिजोरम।

श्री एन० एम० खान,  
हैड कांस्टेबल सं० 690520839,  
21 वीं बटालियन,  
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

20 दिसम्बर 1979 को हुनाहथियाल थाने के प्रभारी अधिकारी की सूचना मिली कि एस० डी० श्री० हुनाहथियाल के कार्यालय के अहाते में तीन समास्त्र विरोधी बैठे हुए थे। उन्होंने तुरन्त उपलब्ध पुलिस बल को एकत्र किया और उसे चार दलों में बांट दिया। पुलिस बलों को आदेश दिया गया कि वे चारों दिशाओं में इस प्रकार बम फेंकें कि सभी बल एक ही समय पर एस० डी० श्री० के कार्यालय के अहाते में एकत्र हो जाएं। किन्तु विरोधियों ने पहाड़ी की ओर से बढ़ने वाले पुलिस दल को देख लिया और उन्होंने नोहनुभाईकिवान की ओर भागना शुरू कर दिया। पुलिस बल के आगे बढ़ने में बाधा डालने के ह्येय से एक विरोधी ने अपनी छोटी मशीनगन से गोलियाँ चलाई। विरोधी द्वारा चलाई जा रही गोली की परवाह न करते हुए श्री सावमसुभाला, श्री बनहनुभाईबांगा और श्री एन० एम० खान बाले पुलिस बल के अग्रियों के साथ विरोधियों का पीछा

किया। परन्तु एक विरोधी, जो छोटी मशीनगन से लैस था, भागते हुए सड़क के किनारे से एक सात फुट गहरे गड्ढे में गिर गया और वहाँ वह सामरिक मोर्चा बनाने में सफल हो गया। इस मोर्चे से पुलिस बल सीधे रूप से उस विरोधी की गोलियों की मार में था। श्री एम० एम० खान ने तुरन्त सामरिक मोर्चा लगाया और अपनी राइफल से गोलियाँ चलाई। उन्होंने विरोधी को कारगर न होने दिया। श्री सावमसुभाला और श्री बनहनुभाई बांगा ने गड्ढे में छलांग लगाई और विरोधी के पीछे आ कूदे। विरोधी ने अपना हथियार धूमकाया। दोनों पुलिस कर्मचारियों ने उसके साथ हाथापाई की और गोली चलाने की दिशा बदलने में सफल हो गए। वे विरोधी के साथ पुलिस दल के पहुँचने तक जुलते रहे। विरोधी को बन्दी बना लिया गया और उससे एक छोटी मशीनगन के साथ गोला-बारूद की 58 राउंड की दो अतिरिक्त मोजीन कब्जे में ले ली।

इस मुठभेड़ में श्री सावमसुभाला, श्री बनहनुभाई बांगा और श्री एम० एम० खान ने उत्कृष्ट वीरता, अनुकरणीय साहस और कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2. ये पदक राष्ट्रपति का पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 20 दिसम्बर, 1979 से दिया जाएगा।

सं० 44-प्रेज/81—राष्ट्रपति मणिपुर पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री ग्रहन्थेम रोमेन कुमार सिंह  
पुलिस अतिरिक्त अधीक्षक  
(केन्द्रीय) मणिपुर इम्फाल।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

19 जुलाई 1980 को दिन के लगभग 2.30 बजे श्री ग्रहन्थेम रोमेन कुमार सिंह पुलिस अतिरिक्त अधीक्षक को सूचना मिली कि कुछ उग्रवादी पटसोई की बाहरी पुलिस चौकी पर आक्रमण करने और पुलिस बल द्वारा रखे गए अग्नेय शस्त्रों को छीनने के लिए एक जीप में जा रहे थे। सूचना प्राप्त होने पर श्री सिंह 303 राइफल से लैस चार कांस्टेबलों के साथ तुरन्त पटसोई की तरफ चल पड़े। कुछ ही निमटों में श्री सिंह को रास्ते में एक जीप आती दिखाई दी जिसे उन्होंने रुकने का संकेत दिया किन्तु उस में बैठे व्यक्तियों ने जीप की गति और तेज कर दी। श्री सिंह ने अपने बाहन को विपरीत दिशा में मोड़ा और तेज गति से भागती हुई जीप का पीछा किया। जीप न्यू कच्छार रोड की तरफ भागती जा रही थी। उग्रवादियों ने श्री सिंह को डराने और उन्हें आगे बढ़ने से रोकने के ह्येय से उन पर गोली चलाई। किन्तु श्री सिंह अविचलित रहे और उग्रवादियों की जीप से आगे निकलने के लिए अपने बाहन की गति और भी तेज कर दी और उग्रवादियों की गोली का भी जवाब दिया। उग्रवादी श्री सिंह के संकल्प से आतंकित हो गए और जीप का संतुलन खो बैठे। जीप पान की एक दुकान से टकरा कर उलट गई। उग्रवादियों में से एक आख बचाकर जीप से स्टनगन लिए हुए उतरा किन्तु श्री सिंह अपनी पिस्तौल निकाल कर लपक कर तेजी से उग्रवादी की तरफ बढ़े और इससे पहले कि वह श्री सिंह पर गोली चलाता उन्होंने उग्रवादी को दबोच लिया। श्री सिंह ने अन्य उग्रवादियों को भी निशस्त्र कर दिया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

श्री ग्रहन्थेम रोमेन कुमार सिंह ने इस प्रकार उत्कृष्ट वीरता, पहल शक्ति, अनुकरणीय साहस तथा उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2 यह पदक राष्ट्रपति का पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के

अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 19 जुलाई 1980 से दिया जाएगा।

सं० 45-प्रेज/81—राष्ट्रपति मणिपुर पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक का बार सहर्ष प्रदान करते हैं :—  
अधिकारी का नाम तथा पद

श्री थांगजाम करणमाया सिंह  
पुलिस अधीक्षक  
मणिपुर केन्द्रीय जिला,  
मणिपुर।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

श्री थांगजाम करणमाया सिंह को 27 जुलाई 1980 को दिन के 2.00 बजे सूचना मिली कि दस से पन्नाह उग्रवादियों का एक गिरोह इम्फाल के दक्षिण में आठ किलोमीटर दूर कौथोजाम गांव में एक छिपे स्थान पर डेरा जाने हुए था। श्री करणमाया सिंह तुरन्त उग्रवादियों के छिपने के स्थान के लिए रवाना हुए। सड़कों के दो संगमों पर दो रोक बस तैनात करने के पश्चात् वे अपने आठ बुनिया पुलिस कर्मचारियों के साथ उग्रवादियों के छिपने के स्थान की ओर बढ़े। छिपने के स्थान में पहुंचने के एकदम बाद श्री करणमाया सिंह अपना पिस्तौल हाथ से घुमाते हुए मुख्य द्वार में से गति पूर्वक भागते हुए छिपने के स्थान में घुस गए। इस साहसिक और वीरतापूर्वक कार्य से उग्रवादी शक्ति रह गए और वे श्री करणमाया सिंह पर गोली चलाते का साहस न कर पाए। श्री करणमाया सिंह ने उग्रवादियों के हाथों से भरी हुई राइफले छीन लीं और साथ उग्रवादी गिरफ्तार कर लिए।

श्री थांगजाम करणमाया सिंह ने इस प्रकार उत्कृष्ट वीरता, नेतृत्व अनुकरणीय साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2. यह पुलिस पदक का बार पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 27 जुलाई 1980 से दिया जाएगा।

सं० 46-प्रेज/81—राष्ट्रपति बिहार पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री उमा नाथ राय  
पुलिस उप निरीक्षक  
सदुभा थाना  
जिला वैशाली  
बिहार।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

23/24 जनवरी 1979 की रात को गांव जहांगीरपुर सलखानी एक साहसी डकैती की सूचना प्राप्त होने पर श्री उमानाथ राय ने सदुभा थाने में उपलब्ध पुलिस बल से एक छापामार बल संगठित किया और तुरन्त घटनास्थल की ओर चल दिए। श्री राय थाने से मुष्किल ही छः किलोमीटर दूर पहुंचे थे कि उन्होंने बूसर और (धान के खेतों का विस्तृत क्षेत्र) में टाई की रोशनी कौंधते हुए देखी। श्री राय शीघ्र ही उस निर्जन और की ओर गए और ग्राम के बाग को घेर लिया जहां डाकू लूट का माल बाँट रहे थे। बच कर भागने के यत्न में डाकुओं ने पुलिस बल पर अंधाधुंध गोशियां चलाईं जिसके परिणामस्वरूप श्री राय और बल के सदस्य बन्धूक की गोशियों से घायल हुए। बाबों की परवाह न करते हुए राय ने डाकुओं का पीछा किया और उनमें से आठ डाकुओं को शस्त्रों और गोलाबारूद तथा लूट-पाट सहित गिरफ्तार कर लिया।

श्री उमानाथ राय ने इस प्रकार उत्कृष्ट वीरता, नेतृत्व साहस तथा उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2 यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 23 जनवरी 1979 से दिया जाएगा।

सं० 47-प्रेज/81—राष्ट्रपति दिल्ली पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं।

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री मोहन सिंह  
कांस्टेबल सं० 770/सी,  
दिल्ली।

श्री देवेन्द्र सिंह (स्वर्गीय)  
कांस्टेबल सं० 1542/सी,  
दिल्ली।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

दिल्ली के लिबर्टी सिनेमा में उसी दिन से दिखाई जाने वाली एक फिल्म को देखने के लिए दर्शकों की भारी भीड़ को देखते हुए कानून तथा व्यवस्था को बनाए रखने के ध्येय से दिल्ली पुलिस के कांस्टेबल तथा श्री देवेन्द्र सिंह को 17 अक्टूबर 1980 को वहां ड्यूटी पर तैनात किया गया। चार नवयुवकों ने दिन के लगभग 4.35 बजे सिनेमा के मनेजर को धमकी दी कि वह उन्हें टिकट दे वे हालांकि प्रबन्धकों ने "हाउस फुल" की घोषणा कर दी थी। उन्होंने उपद्रव करना भी शुरू कर दिया। श्री मोहन सिंह और श्री देवेन्द्र सिंह ने उन्हें वहां से बाहर जाने के लिए कहा। इस पर उपद्रवियों ने अपने-अपने छुरे निकाल लिए। दोनों पुलिस कांस्टेबलों ने छुरों की प्रवाह न करते हुए उपद्रवियों को पकड़ने की कोशिश की किन्तु उपद्रवियों ने श्री देवेन्द्र सिंह को छाती पर प्राणवातक प्रहार किया और श्री मोहन सिंह की जांघ को जखमी कर दिया। घायल होने के बावजूद श्री मोहन सिंह और श्री देवेन्द्र सिंह ने उपद्रवियों को पकड़ने की कोशिश की। श्री देवेन्द्र सिंह को तुरन्त अस्पताल में जाया गया उन्हें वहां मृतक पाया।

इस कार्रवाई में श्री मोहन सिंह और श्री देवेन्द्र सिंह ने उत्कृष्ट वीरता और कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2. ये पदक राष्ट्रपति का पुलिस तथा अग्नि शमन सेवा पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 17 अक्टूबर, 1980 से दिया जाएगा।

खेम राज गुप्तः, राष्ट्रपति के उप-सचिव

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय  
(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 7 जुलाई 1981

आदेश

सं० 27(26)81-सी० एन०-2—कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209क की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के अनुमरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त धारा 209क के प्रयोजनों के लिये भारत सरकार कम्पनी कार्य विभाग के श्री एम० जी० स्वामीनाथन कम्पनी जख्मापाल को प्राधिकृत करती है।

2 केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री एम० जी० स्वामीनाथन, कम्पनी जख्मापाल, बम्बई के पक्ष में पहले के प्रेषित आदेश संख्या 27(8)77 सी० एन० 2 दिनांक 10 जून, 1977 के प्राधिकरण को रद्द करती है।

दिनांक 13 जुलाई 1981

आदेश

सं० 27(26)81-सी० एन० 2—कम्पनी अधिनियम 1956 (1956 का 1) की धारा 209क की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के अनुमरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा कम्पनी कार्य विभाग के लागत लेखा अधिकारी श्री डी० पी० रंगन को कथित धारा 209क के प्रयोजन के लिये प्राधिकृत करती है।

के० आर० ए० एन० अय्यर, अवर सचिव

## वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1981

## संकल्प

सं० ई-11011/10/75-हिन्दी—इस मंत्रालय के समसंख्यक संकल्प दिनांक 28 जनवरी, 1981 के क्रम में भारत सरकार निम्नलिखित संसद् सदस्यों को इस संकल्प के क्रमांक 3 से 6 के अन्तर्गत वाणिज्य मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति के सदस्य नामित करती है:—

क्रमांक 3:

श्री मोहनभाई पटेल,

संसद सदस्य (लोक सभा)।

क्रमांक 4:

श्री बी० राज गोपाल रेड्डी,

संसद सदस्य (लोक सभा)।

क्रमांक 5:

श्री पी० एन० मुकुल

संसद सदस्य (राज्य सभा)

क्रमांक 6:

श्री लाडली मोहन निगम,

संसद सदस्य (राज्य सभा)

इन सदस्यों के संबंध में शर्तें वही होंगी जो 28 जनवरी, 1981 के समसंख्यक संकल्प में उल्लिखित हैं।

## आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति सभी राज्य सरकारों और संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों, प्रधान मंत्री सचिवालय, मंत्रिमण्डल सचिवालय, संसदीय कार्य विभाग, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, राष्ट्रपति सचिवालय, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, केन्द्रीय राजस्व के महालेखाकार और भारत सरकार के सभी मंत्रालय तथा विभागों को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को ग्राम जानकारी के लिये भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

जोगिन्द्र सिंह, निदेशक

(वाणिज्य विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 7 जुलाई 1981

सं० 4/3/80-ई० पी० जेड०—केन्द्रीय सरकार, व्यापार विकास प्राधिकरण, नई दिल्ली के सचिव, श्री एस० एस० जेहन को सान्ताक्रूज इलेक्ट्रानिक्स निर्यात प्रोसेसिंग जोन (एस० ई० पी० जेड०) बोर्ड के सदस्य के रूप में इसके द्वारा सहयोजित करती है।

2. श्री एस० एस० जेहन को सान्ताक्रूज इलेक्ट्रानिक्स निर्यात प्रोसेसिंग जोन बोर्ड के संयुक्त सदस्य-सचिव के रूप में भी नियुक्त किया जाता है।

3. ये संशोधन भारत सरकार, वाणिज्य मंत्रालय (वाणिज्य विभाग) की अधिसूचना सं० 4/3/80-ई० पी० जेड० दिनांक 20 दिसम्बर 1980 में किए जाएं।

सं० 1/1/81-एफ० टी० जेड०—केन्द्रीय सरकार, व्यापार विकास प्राधिकरण के सचिव श्री एग० एस० जेहन को कांडला मुक्त व्यापार जोन (के० ए० एफ० टी० जेड०) बोर्ड के सदस्य के रूप में इसके द्वारा सहयोजित करती है।

2. श्री एस० एस० जेहन को कांडला मुक्त व्यापार जोन (के० ए० एफ० टी० जेड०) बोर्ड के संयुक्त सदस्य-सचिव के रूप में भी नियुक्त किया जाता है।

3. ये संशोधन, भारत सरकार, वाणिज्य मंत्रालय के सचिव सं० 5/19/74-एफ० टी० जेड० दिनांक 5-12-74 में किए जाएं।

के० जी० रामनाथन, संयुक्त सचिव

## शिक्षा और संस्कृति मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 23 जून 1981

## संकल्प

विषय:—जनसंख्या संबंधी शिक्षा कार्यक्रम (घोषाचारिक शिक्षा प्रणाली)।

सं० एफ० 12-14/80-स्कूल-4—सरकार ने जनसंख्या शिक्षा कार्यक्रम के कार्यान्वयन का निरीक्षण करने के लिए दिनांक 1 अगस्त, 1980 के संकल्प संख्या एफ० 12-14/80-स्कूल-4 के जरिए एक राष्ट्रीय संचालन समिति गठित की थी। अब इसकी सदस्यता को निम्न प्रकार बढ़ाने का निर्णय किया गया है:—

11. वित्तीय सलाहकार

शिक्षा और संस्कृति मंत्रालय —सदस्य

## आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प की एक प्रति सभी राज्य सरकारों, संघ शासित प्रशासनों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों, विश्व-विद्यालय अनुदान आयोग, प्रधान मंत्री कार्यालय, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान तथा प्रशिक्षण परिषद् और राष्ट्रीय शैक्षिक आयोग तथा प्रशासन संस्थान को भेज दी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प को साधारण सूचना के लिये भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाए।

एस० सत्यम, संयुक्त सचिव

## नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई 1981

सं० पी० डब्ल्यू०/पी० टी० एच०-2/81—नौवहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) के संकल्प सं० पी० टी० एच०-4/77 दिनांक 6 मई, 1978 को अधिक्रांत करते हुए केन्द्रीय सरकार ने यह निश्चय किया है कि राष्ट्रीय बंदरगाह बोर्ड का पुनर्गठन निम्न प्रकार से किया जाए:—

## अध्यक्ष

नौवहन और परिवहन मंत्री,

भारत सरकार

## उपाध्यक्ष

नौवहन और परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री

## सदस्य

1. पत्तन, वाणिज्य तथा निर्यात संवर्धन और मुद्रण मंत्री, आंध्र प्रदेश सरकार।
2. कृषि और पत्तन मंत्री, गुजरात सरकार।
3. समुदाय विकास और खेल मंत्री, केरल सरकार।
4. परिवहन मंत्री, तमिलनाडु सरकार।
5. मत्स्य और पत्तन राज्य मंत्री, कर्नाटक सरकार।
6. विधि, न्याय और परिवहन मंत्री, महाराष्ट्र सरकार।
7. राज्य मंत्री वाणिज्य और परिवहन, उड़ीसा सरकार।
8. सिंचाई और जलमय विभाग के प्रभारी मंत्री, पश्चिम बंगाल सरकार।

9. पत्तन और शिक्षा मंत्री, पांडिचेरी सरकार।
10. अंतर्देशीय जलमार्ग मंत्री, गोवा, दमन और दीव सरकार।
11. मुख्य आयुक्त, अण्डमान और निकोबार प्रशासन या उसका प्रतिनिधि।
12. प्रो० एन० एम० कम्बलो, सदस्य, राज्य सभा।
13. श्री नारायण साहू, सदस्य, लोक सभा।
14. श्री एस० आर० ए० एस० अप्पालानायडू, सदस्य, लोक सभा।
15. श्री बोलत सिंह जी जदेजा, अध्यक्ष, राष्ट्रीय नौवहन बोर्ड।  
इंडियन नेशनल शिप ओनर्स एसोसिएशन, बंबई के प्रतिनिधि।
16. कप्तान जे० सी० आनन्द, मुख्य कार्यकारी, इंडिया स्टीमशिप कं० लिमिटेड, कलकत्ता।  
फंडेशन आफ इंडियन चेम्बर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्री, नई दिल्ली के प्रतिनिधि।
17. श्री आत्म प्रकाश गुप्ता, कानपुर। सेलिंग वैसल्स के हितों के प्रतिनिधि।
18. श्री डी० एम० पारिख, अध्यक्ष, फंडेशन आफ इंडिया सेलिंग वैसल्स इंडस्ट्री एसोसिएशन, बंबई। श्रमिकों के प्रतिनिधियों।
19. श्री मोहन नायर, अध्यक्ष, इंडियन नेशनल पोर्ट एंड डाक वर्कर्स फंडेशन (इंटरक), वासकोडीगामा, गोवा।
20. श्री टी० एम० आबू, अध्यक्ष, कोचीन पोर्ट कागों नेवर यूनियन, कोचीन।
21. श्री बी० धर्म राव, ट्रस्टी, विशाखापत्तनम पोर्ट ट्रस्ट बोर्ड, विशाखापत्तनम।
22. श्री के० पी० एस० मॅनन, महासचिव, कोचीन पत्तन कर्मचारी संगठन, कोचीन।
23. सचिव, भारत सरकार वाणिज्य मंत्रालय (वाणिज्य विभाग), या उनके प्रतिनिधि।
24. सचिव, भारत सरकार, रक्षा मंत्रालय या उनके प्रतिनिधि।
25. सचिव, भारत सरकार, पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय अध्यक्ष (पेट्रोलियम विभाग), या उनके प्रतिनिधि।
26. अध्यक्ष रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) या उनके प्रतिनिधि।
27. सलाहकार (परिवहन) योजना आयोग, नई दिल्ली।
28. नौवहन महानिदेशक, बम्बई।

29. संयुक्त सचिव (पत्तन) नौवहन और परिवहन मंत्रालय—सदस्य सचिव  
2 गैर-सरकारी सदस्यों का कार्यकाल 3 वर्ष होगा।

#### आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति बोर्ड के सदस्यों, राष्ट्रपति के सचिव, प्रधान मंत्री सचिवालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, योजना आयोग, भारत सरकार के मंत्रालयों/विभागों और संबंधित राज्य सरकारों को भेज दी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प सर्वसाधारण की सूचना के लिये भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

बी० बी० महाजन, संयुक्त सचिव

#### श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 जून 1981

सं० क्यू० 16012(3)/79-डब्ल्यू० ई०—श्रम मंत्रालय की अधिसूचना सं० क्यू०-16012(3)/79-डब्ल्यू० ई०-तारीख, 8/15 मई, 1981 में जिसमें आम जनता की सूचना के लिये पुनर्गठित केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के गठन को अधिसूचित किया गया, यह बताया गया कि सहयोजित किये जाने वाले सदस्यों तथा श्रमिकों के तीन और प्रतिनिधियों के नामों को बाद में अधिसूचित किया जाएगा।

अतः अब, आम जनता की सूचना के लिये यह अधिसूचित किया जाता है कि इस अधिसूचना के जारी होने की तारीख से केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड में हिन्दू मजदूर सभा का प्रतिनिधित्व निम्नलिखित व्यक्ति करेंगे।

1 श्री भजनदास गुप्ता—सदस्य केन्द्रीय ट्रेड यूनियन संगठनों का 33-सी, सरत बोस गार्डन रोड, प्रतिनिधित्व करने वाले कलकत्ता-70003।

2 श्री वीरेश्वर त्यागी—सदस्य 511, बेगम बाग, मेरठ, (उत्तर प्रदेश)

सहयोजित किये जाने वाले सदस्य और श्रमिकों के एक और प्रतिनिधि का नाम बाद में अधिसूचित किया जाएगा।

आर० पी० नरूला, अवसर सचिव

#### PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 15th July 1981

No. 40-Pres./81.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Assam Police :—

#### Name and rank of the Officer

Shri Sadananda Pathak,  
Sub-Inspector of Police,  
Behali Police Station,  
District Darrang,  
Assam.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 18th August, 1980, at about 8.45 p.m., Shri Ratna Kanta Deka, Officer-in-charge, Behali Police Station, received information that a few unknown persons armed with deadly weapons were residing in the house of one Pramit Bania of Ransali Sanarigaon with intention to commit dacoity. Shri Deka accompanied by Shri Sadananda Pathak and others proceeded to the house of Pramit Bania. On reaching there, he felt that there were six to seven persons inside the house and from their talk, he understood that they were planning to commit dacoity that very night. Shri Deka gave his identity and asked the inmates of the house to come out. On hearing this the lights inside the house were put out and all movements inside the house stopped. Finding no alternative, Shri Deka forcibly entered the room and as he

did so, hand-made country bombs were hurled at them causing serious injuries on his person. In the melee a few dacoits managed to escape. The volunteers accompanying the police party also ran away. However, Shri Sadananda Pathak did not lose courage. He ordered a constable to fire one round in the air to scare the dacoits. He himself entered the dark room in disregard of risk to his own life. On his entry he was attacked by the dacoits and a hand-to-hand scuffle followed. Shri Pathak remained unnered and captured four of them. He also seized one country made pistol.

2. In this encounter Shri Sadananda Pathak exhibited conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

3. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 18th August, 1980.

No. 41-Pres./81.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the West Bengal Police :—

#### Name and rank of the officer

Shri Masaraf Hossain Chowdhury,  
Traffic Police Constable No. 1380,  
Burdwan, West Bengal.

*Statement of services for which the decoration has been awarded.*

On the 21st March, 1979, around 0930 hours, a gang of Inter-State dacoits boarded a private car at Begunia More with a view to commit dacoity somewhere in Asansol. When Shri Masaraf Hossain Chowdhury was on traffic duty at the crossing of G.T. Road and Barakar Station Road at Begunia More, the driver of the private car came to him and informed him of the dacoits. Even though Shri Chowdhury was unarmed, he approached the car and saw the occupants therein with two bags containing suspicious material. Shri Chowdhury boarded the car and directed the driver to drive the car to Barakar Police Partol Post. However, three of the miscreants forced the Constable at the point of revolver to leave the car. Meanwhile some local people assembled there. On seeing them the miscreants alighted from the car and started fleeing away. But Shri Chowdhury and local people ran after them and two of the miscreants were rounded up.

2. Shri Masaraf Hossain Chowdhury thus exhibited gallantry and exemplary courage.

3. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 21st March, 1979.

No. 42-Pres/81.—The President is pleased to award the President's Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Haryana Police :—

*Name and rank of the Officer*

Shrimati Deepa Mehta,  
Assistant Superintendent of Police,  
Gurgaon, Haryana.

*Statement of services for which the decoration has been awarded.*

On the 5th May, 1980, the labour problem in the premises of the Indian Drugs and Pharmaceuticals Ltd., Gurgaon, resulted in clashes between their workers and the Police. The workers were agitated over the replacement of the factory security staff by security men provided by a private concern and were protesting against the removal of some of their fellow-workers from service. As nothing seemed to come out of the day long deliberations between the workers and the Management, the workers collected at the gate leading to the Indian Drugs and Pharmaceuticals Ltd. plant and started shouting provocative slogans. The mob turned violent and started brick-battling. A number of policemen were injured. The Police resorted to lathi charge, as a result of which the mob dispersed momentarily but the workers regrouped themselves and rushed towards the gate to the Indian Drugs and Pharmaceuticals Ltd. Complex. It was at this juncture that Shrimati Deepa Mehta, Assistant Superintendent of Police, arrived. The workers were rushing from the gate to the Indian Drugs and Pharmaceutical Ltd. Complex throwing stones at the Police party. In disregard of the heavy brick-battling and without caring for the imminent danger to her life, Shrimati Mehta moved into the mob along with the Police Force. A stone was hurled at her and she was hit on her right arm. The mob rushed towards her jeep shouting slogans. She kept her presence of mind and ordered an effective lathi charge. The mob then dispersed and ran towards the gate and once again started brick-battling. The mob also seemed determined to set the Police bus on fire. Shrimati Deepa Mehta took position right in front of the Police Party and again ordered a lathi charge. The mob then dispersed and the situation was brought under control.

2. Shrimati Deepa Mehta thus exhibited conspicuous gallantry, presence of mind and courage and devotion to duty of a high order.

3. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 5th May, 1980.

New Delhi, the 16th July 1981

No. 43-Pres/81.—The President is pleased to award the President's Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Mizoram Police and Central Reserve Police Force :—

*Name and ranks of officers*

1. Shri Sawmzuala,  
Constable No. 124,  
Police Station Hnahthial,  
Mizoram.
2. Shri Vanhnuaithanga,  
Constable No. 75,  
Police Station Hnahthial,  
Mizoram.
3. Shri N. M. Khan,  
Head Constable No. 690520839,  
21st Battalion,  
Central Reserve Police Force.

*Statement of Services for which the decoration has been awarded*

On the 20th December, 1979, information was received by the Officer Incharge of Hnahthial Police Station that three armed hostiles were sitting in the compound of S.D.O.'s Office, Hnahthial. He immediately collected the Police force available and divided them into four groups. They were directed to converge on the compound of S.D.O.'s Office from four directions. However, the advance of the police party which was approaching from the hill-side was noticed by the hostiles who started running towards Nauhruaikiwan side. One of the hostiles, with a view to delay the advance of the Police Party, opened fire with his sub-machine gun. In disregard of the fire by the hostile, the Police Party consisting of Shri Sawmzuala, Shri Vanhnuaithanga and Shri N. M. Khan and others chased the hostiles. However, while running, one of the hostiles who was armed with sub-machine gun fell down in a seven feet depression on the road side where he managed to get a strategic position. From this position, the Police party was exposed to the fire of this hostile. Shri N. M. Khan immediately took a strategic position and fired from his rifle. He pinned down the hostile. Shri Sawmzuala and Shri Vanhnuaithanga took a leap and landed on the back of the hostile who swerved his weapon. Both the police personnel grappled with him and managed to deflect the fire. They continued to struggle with the hostile till the arrival of the Police parties. The hostile was captured. A sub-machine gun with two spare magazines with fifty-eight rounds of ammunition were seized from his possession.

In this encounter Shri Sawmzuala, Shri Vanhnuaithanga and Shri N. M. Khan exhibited conspicuous gallantry, exemplary courage and devotion to duty.

These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 20th December, 1979.

New Delhi, the 18th July 1981

No. 44-Pres/81.—The President is pleased to award the President's Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Manipur Police :—

*Name and rank of the Officer*

1. Shri Ahanthem Romen Kumar Singh,  
Additional Superintendent of Police, Central,  
Manipur, Imphal.

*Statement of services for which the decoration has been awarded.*

On the 19th July, 1980 at about 2.30 p.m. Shri Ahanthem Romen Kumar Singh, Additional Superintendent of Police, Manipur received information that some extremists were going in a jeep to attack the Police out Post at Patsoi and to snatch the fire arms held by the Police Force. On receipt of information Shri Singh rushed to Patsoi along with four constables armed with 303 rifles. Within a few minutes Shri Singh came across a jeep and signalled it to stop but the occupants of the jeep speeded it up. Shri Singh reversed his vehicle and chased the speeding jeep which rushed towards New Cachar Road. In order to terrorise him and to stop his advance, the extremists opened fire on Shri Singh. He however, remained



undeterred and accelerated the speed of his vehicle in order to overtake the jeep of the extremists and also returned fire, who were overawed due to the determination of Shri Singh and lost the balance of the jeep which dashed against a 'Pan' shop and over-turned. One of the extremists sneaked out of the jeep holding sten-gun but Shri Singh sprinted towards the extremists brandishing his Pistol. Shri Singh caught hold of the extremist before he could fire at him. The other extremists were also disarmed and arrested.

Shri Ahanthem Romen Kumar Singh thus exhibited conspicuous gallantry, initiative, exemplary courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 19th July, 1980.

No. 45-Pres./81.—The President is pleased to award the Bar to the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Manipur Police :—

*Name and rank of the Officer*

Shri Thangjam Karunamaya Singh,  
Superintendent of Police,  
Manipur Central District,  
Manipur.

*Statement of services for which the deceased has been recommended.*

On the 27th July, 1980 at 2.00 p.m. Shri Thangjam Karunamaya Singh received information that a gang of ten to fifteen extremists was camping in a hide-out at Konthoujam village, eight kms away south of Imphal. Shri Karunamaya Singh immediately left for the hide-out of the extremists. After deploying two stop parties at two road junctions he proceeded to the hide-out of the extremists with his eight hand-picked Police personnel. Soon after reaching the hide-out, Shri Karunamaya Singh rushed and sprinted through the main door of the hide-out brandishing his pistol. The extremists were taken aback at this courageous and gallant action and could not muster courage to fire. Shri Singh snatched the loaded rifles from the hands of the extremists and apprehended seven of them.

Shri Singh exhibited conspicuous gallantry, leadership, exemplary courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 27th July 1980.

No. 46-Pres./81.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Bihar Police :—

*Name and rank of the officer*

Shri Uma Nath Roy,  
Sub-Inspector of Police,  
Mahua Police Station,  
District Vaishali,  
Bihar.

*Statement of services for which the decoration has been awarded.*

On being informed of a daring dacoity in village Jahangirpur Salkhani on the night of 23rd/24th January, 1979, Shri Uma Nath Roy organised a raiding party with the Police force available at the Mahua Police Station and rushed to the place of occurrence. Shri Roy had hardly gone six kilometre away from the Police Station when he saw some flashes of a torch-light in Kushar Chaur (a vast expanse of paddy fields). Shri Roy rushed to the desolate "Chaur" and surrounded the mango orchard where the dacoits were distributing the booty. In a bid to escape, the dacoits fired at the Police party indiscriminately as a result of which Shri Roy and two other members of the party received gunshot injuries. Without caring for his injuries Shri Roy chased the dacoits and arrested eight of them with arms and ammunition and the looted property.

Shri Uma Nath Roy thus exhibited conspicuous gallantry, leadership, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 23rd January, 1979.

No. 47-Pres./81.—The President is pleased to award the President's Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Delhi Police :—

*Names and ranks of officers*

Shri Mohan Singh,  
Constable No. 770/C,  
Delhi.

Shri Devender Singh, (Posthumous)  
Constable No. 1542/C,  
Delhi.

*Statement of services for which the decoration has been awarded.*

On 17th October, 1980 Shri Mohan and Shri Devender Singh, constables, Delhi Police, were detailed for duty at Liberty Cinema in Delhi for maintenance of law and order in view of heavy rush of cinegoers to witness a film which was released in the theatre on that very day. At about 4.35 P.M. four young boys threatened the Manager of the Cinema to issue them tickets even though the Management had declared 'House Full'. They also started creating nuisance. They were asked by Shri Mohan Singh and Shri Devender Singh to move out of the place. At this the miscreants whipped out their daggers. Both the Police constables in disregard of the daggers, tried to apprehend the miscreants but the latter gave a fatal blow on the chest of Shri Devender Singh while Mohan Singh sustained injuries on his thigh. Despite the injuries received by them, Shri Mohan Singh and Shri Devender Singh tried to apprehend the miscreants. Shri Devender Singh was rushed to the hospital where he was declared dead.

In this action Shri Mohan Singh and Shri Devender Singh exhibited conspicuous gallantry and devotion to duty.

These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 17th October, 1980.

K. R. GUPTA,  
Deputy Secretary to the President

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS  
DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS  
(COMPANY LAW BOARD)

New Delhi, the 7th July 1981

ORDER

No. 27(26)81-CL-II.—In pursuance of Clause (ii) of Sub-section (1) of Section 209-A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby authorises Shri M. G. Swaminathan, Company Accountant, in the Department of Company Affairs for the purposes of the said section 209-A.

2. The Central Government hereby revokes the earlier authorisation issued in favour of Shri M. G. Swaminathan, Company Accountant, Bombay vide this Department's Order No. 27(8)77-CL-II, dated the 10th June, 1977.

The 13th July 1981

ORDER

No. 27(26)81-CL-II.—In pursuance of Clause (ii) of sub-section (1) of Section 209A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby authorises Shri D. P. Rangan, Cost Accounts Officer, in the Department of Company Affairs for the purposes of the said Section 209A.

K. R. A. N. IYER,  
Under Secy.

## MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 8th July 1981

## RESOLUTION

No. E-11011/10/75-Hindi.—In continuation of this Ministry's Resolution of even number dated 28th January, 1981, the Government of India hereby nominate the following members of Parliament against Sl. No. 3 to 6 of that Resolution as members of the Hindi Salahkar Samiti of the Ministry of Commerce :—

- Sl. No. 3 :  
Shri Mohanbhai Patel,  
M.P. (Lok Sabha).
- Sl. No. 4 :  
Shri B. Raj Gopala Rao,  
M.P. (Lok Sabha).
- Sl. No. 5 :  
Shri P. N. Sukul,  
M.P. (Rajya Sabha).
- Sl. No. 6 :  
Shri Ladli Mohan Nigam,  
M.P. (Rajya Sabha).

Conditions concerning these members will be the same as mentioned in Resolution of even number dated the 28th January, 1981.

## ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to all State Governments and Union Territory Administrations, Prime Minister's Secretariat, Cabinet Secretariat, Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Planning Commission, President's Secretariat, Comptroller and Auditor General of India, A.G.C.R. and all Ministries and Departments of the Government of India.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

TOGINDER SINGH  
Director

## (DEPARTMENT OF COMMERCE)

New Delhi, the 7th July 1981

No. 4/3/80-EPZ.—The Central Government hereby co-opts Shri S. S. Trehan, Secretary, Trade Development Authority, New Delhi, as member of the Santacruz Electronics Export Processing Zone (SEEPZ) Board.

2. Shri S. S. Trehan, is further appointed as Joint Member-Secretary of the Santacruz Electronics Export Processing Zone Board.

3. These amendments may be made in the Government of India Ministry of Commerce (Department of Commerce) Notification No. 4/3/80-EPZ, dated the 20th December, 1980.

No. 1/1/81-FTZ.—The Central Government hereby co-opts Shri S. S. Trehan, Secretary, Trade Development Authority, as member of the Kandla Free Trade Zone (KAFTZ) Board.

2. Shri S. S. Trehan, is further appointed as Joint Member-Secretary of the Kandla Free Trade Zone (KAFTZ) Board.

3. These amendments may be made in the Government of India, Ministry of Commerce Resolution No. 5/19/74-FTZ, dated 5-12-1974.

K. G. RAMANATHAN,  
Jt. Secy.

## MINISTRY OF EDUCATION AND CULTURE

## (DEPARTMENT OF EDUCATION)

New Delhi, the 23rd June 1981

## RESOLUTION

SUBJECT : Population Education Programme (Formal Education System).

No. F. 12-14/80-Schools-4.—Government had set up a National Steering Committee to oversee the implementation

of the Population Education Programme vide Resolution No. F. 12-14/80-School-4 dated 1st August, 1980. It has now been decided to add to its membership as indicated below :

11. Financial Adviser, *Member*  
Ministry of Education & Culture.

ORDERED that a copy of the Resolution be sent to all State Governments, Union Territory Administrations, all Ministries/Departments of the Government of India, University Grants Commission, Prime Minister's Office, National Council of Educational Research and Training and National Institute of Educational Planning & Administration.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

S. SATHYAM, Jt. Secy.

## MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

## (TRANSPORT WING)

New Delhi, the 10th July 1981

## RESOLUTION

No. PW/PTH-2/81.—In supersession of the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) Resolution No. PTH-4/77, dated the 6th May, 1978, the Government of India have decided that the National Harbour Board shall be reconstituted with immediate effect as follows :—

*Chairman*

Minister for Shipping and Transport,  
Government of India.

*Vice Chairman*

Minister of State, Ministry of Shipping and Transport.  
*Members*

1. Minister for Ports, Commerce & Export Promotion and Printing, Government of Andhra Pradesh.
2. Minister for Agriculture and Ports, Government of Gujarat.
3. Minister for Community Development and Sports, Government of Kerala.
4. Minister for Transport, Government of Tamil Nadu.
5. Minister of State for Fisheries and Ports, Government of Karnataka.
6. Minister for Law & Judiciary and Transport, Government of Maharashtra.
7. Minister of State, Commerce and Transport, Government of Orissa.
8. Minister-in-charge of Irrigation and Waterways Department, Government of West Bengal.
9. Minister of Ports and Education, Government of Pondicherry.
10. Minister for Inland Waterways, Government of Goa, Daman and Diu.
11. Chief Commissioner, Andaman and Nicobar Administration, or his nominee.
12. Prof. N. M. Kamble, Member, Rajya Sabha.
13. Shri Narayan Sahu, Member, Lok Sabha.
14. Shri S. R. A. S. Appalanaidu, Member, Lok Sabha.
15. Shri Daulatsinhji Jadeja, Chairman, National Shipping Board.

*Representative of Indian National Shipowners Association, Bombay*

16. Capt. J. C. Anand,  
Chief Executive,

India Steamship Co. Ltd.,  
Calcutta.

*Representative of Federation of Indian*

*Chamber of Commerce and Industry, New Delhi*

17. Shri Atma Prakash Gupta,  
Kanpur.

*Representative of Sailing Vessels Interests*

18. Shri D. M. Parekh,  
President,  
Federation of All India  
Sailing Vessels Industry  
Association, Bombay.

*Representative of Labours*

19. Shri Mohan Nair,  
President,  
Indian National Port and  
Dock Workers Federation.  
(INTUC), Vasco-da-Gama,  
Goa.
20. Shri T. M. Aboo, President,  
Cochin Port Cargo Labour Union,  
Cochin.
21. Shri B. Dharma Rao,  
Trustee, Visakhapatnam Port  
Trust Board, Visakhapatnam.
22. Shri K. P. S. Menon,  
Secretary General,  
Cochin Port Employees  
Organisation, Cochin.
23. Secretary to the Government of India,  
Ministry of Commerce (Department of Commerce),  
or his nominee.
24. Secretary to the Government of India,  
Ministry of Defence, or his nominee.
25. Secretary to the Government of India,  
Ministry of Petroleum, Chemicals and  
Fertilisers (Department of Petroleum),  
or his nominee.
26. Chairman, Ministry of Railways (Railway Board),  
or his nominee.

27. Adviser (Transport), Planning Commission, New  
Delhi.

28. The Director General of Shipping, Bombay.

29. Joint Secretary (Ports), Ministry of Shipping and  
Transport as Member-Secretary.

2. The term of the non-official members shall be 3 years.

#### ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to the members of the Board, Secretary to the President, Prime Minister's Secretariat, Cabinet Secretariat, Planning Commission, Ministries/Departments of the Government of India and the State Governments concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

B. B. MAHAJAN, Jt. Secy.

#### MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 20th June 1981

No. Q-16012/3/79-WE.—Whereas in the Ministry of Labour Notification No. Q-16012/3/79-WE, dated the 8th/15th May, 1981 notifying composition of the reconstituted Central Board for Workers' Education for information of public, it was mentioned that names of three more representatives of workers and the members to be co-opted will be notified later.

Now, therefore, it is notified for information of the Public that the following persons shall represent Hind Mazdoor Sabha on the Central Board for Workers' Education with effect from the date of issue of this Notification.

1. Shri Bhajan Das Gupta, 33/C, Sarat Ghosh Garden Road, Calcutta-700 031—Member—Representing Central Trade Union Organisation.
2. Shri Vereshwar Tiagi, 511, Begum Baug, Meerut (U.P.)—Member—Representing Central Trade Union Organisation.

The name of one more representative of workers and the members to be co-opted will be notified later.

R. P. NARULA, Under Secretary